Maltebraand are limited to 49 per cent FDI in retail
PTI Bhasha, August 30, 2010

मल्टीब्रांड रिटेल में 49 प्रतिशत तक सीमित रहे एफडीआई

नई दिल्ली।

Story Update : Monday, August 30, 2010 9:14 PM

बाजार प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता मामलों की पैरवी करने वाले गैर सरकारी संगठन कट्स इंटरनेशनल ने कहा है कि बहुब्रांड खुदरा कारोबार में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) एक में पूरी तरह खोलने के बजाय चरणबद्ध तरीके से हो और इसकी शुरुआत 49 प्रतिशत विदेशी भागीदारी की छूट के साथ की जाए। औद्योगिक नीति एवं संवर्धान विभाग (डीआईपीपी) द्वारा बहुब्रांड खुदरा कारोबार में एफडीआई अनुमति पर जारी परिचर्चा पत्र पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कट्स ने कहा है कि क्षेत्र को घरेलू और विदेशी दोनों निवेशकों के लिए खोला जाना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक संभावनाएं

संगठन ने कहा है कि 49 प्रतिशत एफडीआई अनुमति से घरेलू और विदेशी कंपनियों के बीच गठबंधन होंगे जिससे घरेलू कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा। एक में 100 प्रतिशत एफडीआई खोलने से पड़ने वाला प्रतिकूल असर भी घरेलू कंपनियों पर नहीं होगा। संगठन का मानना है कि इस क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि देश में पहले ही कई घरेलू कंपनियां विस्तार करते हुए बहुब्रांड खुदरा शृंखला शुरू कर चुकी होंगी, ऐसे में क्षेत्र को कुछ शर्तों के साथ घरेलू और विदेशी दोनों तरह के निवेशकों के लिए खोल दिया जाना चाहिए। इससे न केवल घरेलू कंपनियों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी बल्कि रिलायंस और पेंटालून जैसी खुदरा कारोबार करने वाली कंपनियों को विदेशों में भी कारोबार फैलाने में मिलेगी।

एजेंसी

मल्टीब्रांड रिटेल में विदेशी हिस्सेदारी पहले 49 फीसद तक सीमित रखी जाए: कट्स

नई दिल्ली, 30 अगस्त(भाषा)। बाजार प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता मामलों की पैरवी करने वाले गैर सरकारी संगठन कट्स इंटरनेशनल ने कहा है कि बहुब्रांड खुदरा कारोबार में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) एक झटके में पूरी तरह खोलने के बजाय चरणबद्ध तरीके से हो और इसकी शुरुआत 49 फीसद विदेशी भागीदारी की छूट के साथ की जाए।

औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) की ओर से बहुब्रांड खुदरा कारोबार में एफडीआई इजाजत पर जारी परिचर्चा पत्र पर अपने विचार जताते हुए कट्स ने कहा है कि क्षेत्र को घरेलू और विदेशी दोनों निवेशकों के लिए खोला जाना चाहिए। संगठन ने कहा है कि 49 फीसद एफडीआई इजाजत से घरेलू और विदेशी कंपनियों के बीच गठबंधन होंगे जिससे घरेलू कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा। एक झटके में सौ फीसद एफडीआई खोलने से पड़ने वाला प्रतिकूल असर भी घरेलू कंपनियों पर नही होगा।

संगठन का मानना है कि इस क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नही कि देश में पहले ही कई घरेलू कंपनियां विस्तार करते हुए बहुब्रांड खुदरा शृंखला शुरू कर चुकी होंगी, ऐसे में क्षेत्र को कुछ शर्तों के साथ घरेलू और विदेशी दोनों तरह के निवेशकों के लिए खोल दिया जाना चाहिए। इससे न केवल घरेलू कंपनियों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी बल्कि रिलायंस और पेंटालून जैसी खुदरा कारोबार करने वाली कंपनियों को विदेशों में भी कारोबार फैलाने में मिलेगी।

खाद्यान्नों के क्षेत्र में बेहतर भंडारण व्यवस्था, मार्केटिंग शृंखला और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विदेशी निवेशकों के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश की शर्त रखे जाने के सवाल पर कट्स ने कहा है कि इस तरह की कोई ठोस शर्त नहीं रखी जानी चाहिए। इससे संभावित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर बुरा असर पड़ सकता है। संगठन ने कहा है कि यह शर्त प्रतिबंधात्मक न होकर प्रोत्साहन से जुड़ी होनी चाहिए। इससे उत्पादक क्षेत्रों और खुदरा कारोबारियों के स्तर पर एफडीआई प्रवाह में सुधार होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विदेशी कंपनियों को अपनी बिक्री शृंखला में 50 फीसद रोजगार ग्रामीण युवकों के लिए आरक्षित रखे जाने के मुद्दे पर भी कट्स ने कहा है कि इस तरह की शर्त नहीं रखी जानी चाहिए, बल्कि रोजगार अवसरों के बारे में उचित सूचना प्रसारित करने और ग्रामीण युवकों को उचित प्रशिक्षण दिए जाने से ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकेंगे। छोटे खुदरा व्यापारियों की सुरक्षा के सवाल पर कट्स ने कहा है कि कानूनी और नियमन शर्तों वाला व्यापक कानून पूरे खुदरा क्षेत्र के लिए होना चाहिए। इसका दायरा केवल छोटे खुदरा व्यापारियों तक ही सीमित नही होना चाहिए। खुदरा कारोबार से जुड़े सभी क्षेत्रों थोकबिक्री, संगठित और असंगठित, कैश एंड कैरी और बिक्री केंद्रों के जरिए कारोबारी समझौते सभी क्षेत्रों को इसमें कवर किया जाना चाहिए। जहां तक गैर-प्रतिस्पर्धी व्यवहारों पर नजर रखने की बात है इसे प्रतिस्पर्धा आयोग के हवाले छोड़ दिया जाना चाहिए।